विद्या- भवन बालिका, विद्यापीठ लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय, विषय- सह-शैक्षणिक गतिविधि

दिनांक-02-07-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों

क्रोध और नियंत्रण (कहानी)

एक बार की बात है एक राजा घने जंगल में भटक गया। सही रास्ते की तलाश में घंटो भटकने के बाद वो थक गया और प्यास के कारण व्याकुल होने लगा। तभी उसकी नज़र एक बड़े से पेड़ पर पड़ी जहाँ पर एक डाली से टप टप करती पानी की छोटी-छोटी बूंदे गिर रही थी।

तभी राजा ने एक पानी पीने का एक उपाय निकाला और पेड़ के पत्तों का एक दोना बनाकर उसमे पानी इकठ्ठा किया। राजा जैसे ही पानी पीने लगा तभी एक तोता आया और झपट्टा मार कर दोने को गिरा दिया।

उसके बाद राजा फिर से उस खाली दोने को भरने लगा। काफी देर बाद फिर से भर गया। राजा ने हर्षचित्त होकर जैसे ही दोने को उठाया तो तोते ने वापस उसे गिरा दिया।

तोते की इस हरकत से राजा क्रोधित हो उठा और उसने चाबुक उठाकर तोते पर जोरदार वार किया और तोते के प्राण पखेरू उड़ गए।

अब राजा ने सोचा की अब मैं आराम से पानी इकठ्ठा कर अपनी प्यास बुझा पाउँगा। यह सोचकर वह डाली के वापस पानी इकठ्ठा होने वाली जगह पहुंचा तो उसके पांव के नीचे की जमीन खिसक गयी।

क्यूंकि उस डाली पर तो एक जहरीला सांप सोया हुआ था और उस सांप के मुँह से लार टपक रही थी। राजा अब तक जिसको पानी समझ रहा था वह सांप की जहरीली लार थी।

यह देखकर राजा का मन ग्लानि से भर गया। उसने कहा काश मैंने संतों के बताये उत्तम क्षमा मार्ग को धारण कर क्रोध पर नियंत्रण किया होता तो ये मेरे हितैषी निर्दोष पक्षी की जान नहीं जाती।

दिए, गए कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

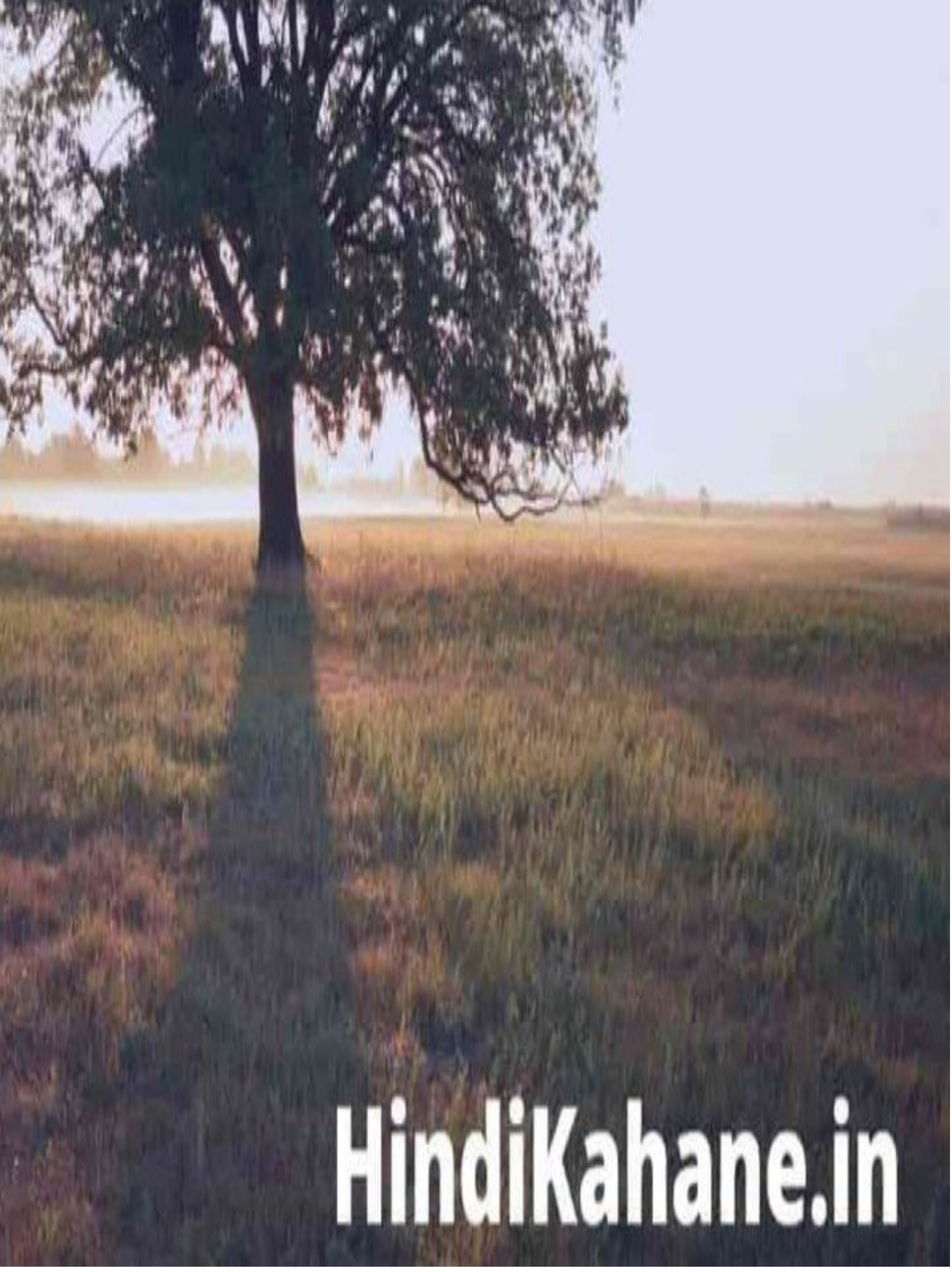
HindiKahane.in

बहुत पुरानी बात है । एक बरगद के पेड़ पर एक कौआ रहता था । कौआ कामचोर था । उसने पेड़ पर अपना घोंसला बनाया । जल्दबाजी और कामचोरी के कारण उसका घोंसला मजबूत नही बना । कुछ दिनों बाद उस पेड़ पर रहने के लिए एक बया आई । बया बहुत मेहनती थी । वह अपना घोंसला उस पेड़ पर बनाने लगी।

वह कही दूर से सरकंडे की पतली सींक लाती थी और अपनी तेज चोंच से उसे चीर कर सावधानी से घोंसले में बनुती थी । इस तरह करते देखकर कौए ने उसका मजाक बनाया और बोला , " इस तरह घोंसला बनाओगी तो सारी उम्र बीत जाएगी ।

"कौए की बात सुनकर बया ने बोला की " भैया मेरी माँ ने मुझे लगन और मेहनत के साथ काम करने की सीख दी हैं । "
यह सुनकर कौआ बया पर हँसने लगा । बया ने कौए की बात को अनसुना कर दिया और अपना काम करती रही । अगले दिन जाकर उसका घोंसला पूरा हुआ । अब बया उसमें रहने लगी ।
दिन बीतने लगें ।

एक दिन बड़े जोर की आँधी आई । छोटे - छोटे पेड़ टूटकर गिर गए । कौए का घोंसला भी उड़कर बिखर गया । कौए ने पेड़ के कोटर में छिपकर अपनी जान बचाई । जब आँधी रूकी तो कौआ बया के घोंसले के पास गया ।

उसका घोंसला सही सलामत अपने स्थान पर मौजूद था । कौए को अब अपनी गलती का एहसास हुआ उसने बया से कहा , " बया मैने मेहनत से जी चुराया और तुम्हारा मजाक उड़ाया , उसके लिए मुझे माफ कर देना । मै तुम्हारी सीख जीवनभर याद रखूगा ।

कहानी से सीख- हमें कभी मेहनत से जी नही चुराना चाहिए

मेहनत का फल

बहुत पुरानी बात है । एक बरगद के पेड़ पर एक कौआ रहता था । कौआ कामचोर था । उसने पेड़ पर अपना घोंसला बनाया । और कामचोरी के कारण उसका घोंसला मजबूत बना । कुछ दिनों बाद उस पेड़ पर रहने के लिए एक बया आई । बया बहुत मेहनती थी । वह अपना घोंसला उस पेड़ पर बनाने लगी।

वह कही दूर से सरकंडे की पतली सींक लाती थी और अपनी तेज चोंच से उसे चीर कर सावधानी से घोंसले में बनुती थी । इस तरह करते देखकर कौए ने उसका मजाक बनाया और बोला , " इस तरह घोंसला बनाओगी तो सारी उम्र बीत जाएगी ।

“कौए की बात सुनकर बया ने बोला की ” भैया मेरी माँ ने मुझे लगन और मेहनत के साथ काम करने की सीख दी हैं । “

यह सुनकर कौआ बया पर हँसने लगा । बया ने कौए की बात को अनसुना कर दिया और अपना काम करती रही । अगले दिन जाकर उसका घोंसला पूरा हुआ । अब बया उसमें रहने लगी ।

दिन बीतने लगें ।

एक दिन बड़े जोर की आँधी आई । छोटे - छोटे पेड़ टूटकर गिर गए । कौए का घोंसला भी उड़कर बिखर गया । कौए ने पेड़ के कोटर में छिपकर अपनी जान बचाई । जब आँधी रूकी तो कौआ बया के घोंसले के पास गया ।

उसका घोंसला सही सलामत अपने स्थान पर मौजूद था । कौए को अब अपनी गलती का एहसास हुआ उसने बया से कहा , ” बया मैने मेहनत से जी चुराया और तुम्हारा मजाक उड़ाया , उसके लिए मुझे माफ कर देना । मै तुम्हारी सीख जीवनभर याद रखूगा ।

कहानी से सीख- हमें कभी मेहनत से जी नही चुराना चाहिएमेहनत का फल- कहानी छोटे बच्चों के लिए

Hindi kahani मेहनत का फल

बहुत पुरानी बात है । एक बरगद के पेड़ पर एक कौआ रहता था । कौआ कामचोर था । उसने पेड़ पर अपना घोंसला बनाया । जल्दबाजी और कामचोरी के कारण उसका घोंसला मजबूत नही बना । कुछ दिनों बाद उस पेड़ पर रहने के लिए एक बया आई । बया बहुत मेहनती थी । वह अपना घोंसला उस पेड़ पर बनाने लगी।

वह कही दूर से सरकंडे की पतली सींक लाती थी और अपनी तेज चोंच से उसे चीर कर सावधानी से घोंसले में बनुती थी । इस तरह करते देखकर कौए ने उसका मजाक बनाया और बोला , ” इस तरह घोंसला बनाओगी तो सारी उम्र बीत जाएगी ।

“कौए की बात सुनकर बया ने बोला की ” भैया मेरी माँ ने मुझे लगन और मेहनत के साथ काम करने की सीख दी हैं । “
यह सुनकर कौआ बया पर हँसने लगा । बया ने कौए की बात को अनसुना कर दिया और अपना काम करती रही । अगले दिन जाकर उसका घोंसला पूरा हुआ । अब बया उसमें रहने लगी ।
दिन बीतने लगें ।

एक दिन बड़े जोर की आँधी आई । छोटे - छोटे पेड़ टूटकर गिर गए । कौए का घोंसला भी उड़कर बिखर गया । कौए ने पेड़ के कोटर में छिपकर अपनी जान बचाई । जब आँधी रूकी तो कौआ बया के घोंसले के पास गया ।

उसका घोंसला सही सलामत अपने स्थान पर मौजूद था । कौए को अब अपनी गलती का एहसास हुआ उसने बया से कहा , " बया मैने मेहनत से जी चुराया और तुम्हारा मजाक उड़ाया , उसके लिए मुझे माफ कर देना । मै तुम्हारी सीख जीवनभर याद रखूगा ।

कहानी से सीख- हमें कभी म